खण्ड-07 सत्र-05 / अंक-56

बृहस्पतिवार 22 फरवरी, 2024 / 03 फाल्गुन, 1945 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

पाँचवां सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-05 में अंक 50 से अंक 70 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-5 बृहस्पतिवार, 22 फरवरी, 2024/03 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-56

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	निधन संबंधी उल्लेख	3-5
2.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	6-39
3.	सदन में अव्यवस्था	40-42

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 बृहस्पतिवार, 22 फरवरी, 2024/03 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-56

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
3. श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
4. श्री अजय दत्त
5. श्री अब्दुल रहमान
6. श्री बी. एस. जून
7. श्री दुर्गेश कुमार
8. श्री हाजी युनूस
9. श्री जय भगवान
10. श्री जरनैल सिंह
11. श्री कुलदीप कुमार
12. श्री महेंद्र गोयल
13. श्री नरेश बाल्यान
14. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
15. श्री प्रकाश जारवाल
16. श्री राजेश गुप्ता
17. श्री राजेन्द्र पाल गौतम
18. श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
19. श्री रोहित कुमार
20. श्री शरद कुमार चौहान

21. श्री सोमदत्त
22. श्री शिवचरण गोयल
23. श्री सोमनाथ भारती
24. श्री सही राम
25. श्री एस. के. बग्गा
26. श्री सुरेंद्र कुमार
27. श्री विशेष रवि
28. श्री मदन लाल
29. श्री नरेश यादव
30. श्री पवन शर्मा
31. श्री प्रलाद सिंह साहनी
32. श्री राजेश ऋषि
33. श्री संजीव झा

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 बृहस्पतिवार, 22 फरवरी, 2024/03 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-56

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.25 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

निधन संबंधी उल्लेख

माननीय अध्यक्षः शोक संवेदना, माननीय सदस्यगण, प्रसिद्ध कानूनी विशेषज्ञ व दिग्गज अधिवक्ता माननीय Fali Sam Nariman का बुधवार दिनांक 21 फरवरी, 2024 को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे दिल से संबंधित कई बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका जन्म 10 जनवरी, 1929 को रंगून में एक संपन्न कारोबारी परिवार में हुआ था। वर्ष 1942 को उनका परिवार भारत आ गया था। उन्होंने 70 वर्षों से अधिक समय तक वकालत की । भारतीय न्यायपालिका के भीष्म पितामह कहे जाने वाले श्री नरीमन ने कई किताबें भी लिखीं । उन्हें 1951 में पदम भूषण और 2007 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया और नवम्बर 1999 में राज्यसभा के सदस्य के रूप में भी मनोनीत किया गया। ऐसे प्रख्यात विभूति के निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है। मैं अपनी ओर से

तथा पूरे सदन की ओर से Fali Sam Nariman जी को श्रद्धांजलि देता हूं तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

माननीय सदस्यगण, किसान आंदोलन के दौरान एक व्यक्ति की मौत हुई उसके लिये शोक संवेदना। आप सबको ज्ञात होगा कि कल दिनांक 21 फरवरी, 2024 को पंजाब हरियाणा के बीच स्थित खलवली बार्डर पर किसान आंदोलनकारी युवक शुभकरण सिंह की मौत हो गयी। बताया जा रहा है किसान बार्डर की तरफ बढ़ने लगे तो पुलिस के साथ टकराव के कारण युवक शुभकरण सिंह की मौत हो गयी। इस संघर्ष में कई किसान और पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। शुभकरण सिंह भटिंडा जिले के बालून गांव के रहने वाले थे और अपने परिवार के कमाने वाले अकेले शख्स थे। उनके परिवार के पास मात्र दो एकड़ जमीन है। यह बेहद दुखद घटना है। शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ शांति से बर्ताव किया जाना चाहिये और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से श्री शुभकरण सिंह जी को श्रद्धांजलि देता हूं तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

माननीय सदस्यगण, आपको विदित होगा कि सुप्रसिद्ध रेडियो उद्घोषक और कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता श्री अमीन सयानी का गत 20 फरवरी, 2024

को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 91 वर्ष के थे। अपनी जादुई आवाज और अनूठे अंदाज से रेडियो के श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते थे। मुंबई में 21 दिसम्बर, 1932 को जन्मे श्री अमीन सयानी ने 42 वर्षों में 50 हजार से अधिक कार्यक्रमों का संचालन किया। उनके निधन से मनोरंजन जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से श्री अमीन सयानी को श्रद्धांजलि देता हूं तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार जनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अब दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये दो मिनट का मौन रखेंगे।

(सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया गया।)

माननीय अध्यक्षः ओम शांति, शांति, शांति। 280 आरंभ करूं इससे पूर्व श्री वेलमुरूगन जो इस विधान सभा में अनेक पदों पर रहे, सेक्रेट्री भी रहे, डिप्टी सेक्रेट्री भी रहे, ज्वाईंट सेक्रेट्री रहे, कल उन्होंने वीआरएस लेकर रिटायरमेंट ले लिया। मैं अपनी और से, आप सबकी ओर से उनके आगे के जीवन के लिये शुभकामनायें देता हूं। उनका कार्यकाल बहुत अच्छा रहा, बहुत सुंदर रहा। रिटायरमेंट ले लिया उन्होंने, हां बहुत बेहतरीन। दो बार उन्होंने रिटायरमेंट लिया पहले रोका भी उनको, रूक भी गये थे, लेकिन अब उनकी अपनी परिवारिक परिस्थितियां रही होंगी। चलिये, 280 श्री राजेश गुप्ता, (अनुपस्थित), जून साहब।

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री बी.एस. जून: धन्यवाद सर, सर बिजवासन विधान सभा में सेक्टर 9 द्वारका में दिल्ली सरकार ने 1700 बेड का बहुत ही शानदार हास्पिटल बनाया। इतना अच्छा हॉस्पिटल जो लेटेस्ट टेक्नॉलॉजी की मशीनों से इक्विप्ड था मैक्सिमम फुटफाल उस हॉस्पिटल में शुरू हुआ। आसपास के सभी इलाके के जितने भी लोग थे उनको फायदा मिला। ये हॉस्पिटल सर कोरोना में हाई कोर्ट की डायरेक्शन पर स्टार्ट किया गया था क्योंकि कोरोना के मरीज बढ़ रहे थे तो उस टाइम स्टाफ की रिक्रूटमेंट नहीं हो पाई थी और डायवर्टिड कैपेसिटी में दूसरे हॉस्पिटल से कुछ स्टाफ इस हॉस्पिटल को दिया गया। हॉस्पिटल ने स्मूथली काम करना शुरू किया। सर्जरी भी स्टार्ट हुई, बाकी जितने भी लेटेस्ट टेस्ट थे वो सारे उनके यहां शुरू हुए सी. टी. स्कैन, एमआरआई हो या डायलिसिस हो। सर पिछले 15 दिन पहले सड्न्ली हैल्थ सेक्रेटरी ने तकरीबन 175 स्टाफ मेंबर्स को वहां से एबरप्टली विदड्रा कर लिया। न कोई सब्स्टीट्यूट दिया उनका। अगले दिन से सारा हॉस्पिटल पैरालाईज हो गया। कोई ओपीडी स्लिप बनाने वाला नहीं था, कोई मेडिसिन काउंटर पे दवाई देने वाला नहीं था, नर्सिंग स्टाफ नहीं था, टेक्निकल स्टाफ नहीं था, डाक्टर्स की कोई असिस्टेंस नहीं थी और अगले दिन से हॉस्पिटल का पूरा काम ठप्प पड़ गया। मैंने माननीय मंत्री जी को चिट्ठी लिखी। उन्होंने सारे एमएस की एक मीटिंग बुलाई जिसमें हैल्थ सेक्रेटरी भी आए। सर आश्चर्यजनक रूप से हैल्थ सेक्रेटरी ने उल्टा एम.एस. को धमकाना शुरू कर दिया, कि ये सब तुम्हारी वजह से हुआ

है। तब मैंने उनसे पूछा की अगर आप किसी को ट्रांस्फर करते हैं, तो substitute देंगे या नहीं देंगे, उन्होंने कहा देंगे। तो 175 लोगों को ट्रांसफर करके हॉस्पिटल को पैरालाइज कर दिया और कोई substitute नहीं दिया। मरीज मारे–मारे आज भी फिर रहे हैं सर। कोई ओपीडी की स्लिप बनाने के लिए नहीं बैठा है, कोई दवाई देने के लिए नहीं बैठा है, सर्जरी बंद हो चुकी हैं। तो, चूंकि ये हॉस्पिटल थोड़े से समय में बहुत पॉपुलर हो गया था। अरविंद केजरीवाल जी को लोगों ने बार–बार कहा कि उन्होंने इस एरिया में हॉस्पिटल जो दिया है ये एक बहुत बड़ा काम किया था। दिल्ली सरकार की पॉपुलरटी बढ़ रही थी। इससे थोड़ा–बहुत जलन रखते हुए उस हॉस्पिटल को paralyze कर दिया गया ताकि दिल्ली सरकार की बदनामी हो, आम आदमी पार्टी की बदनामी हो। तो मेरा सर आपके माध्यम से यही रिक्वैस्ट है कि स्वास्थ्य मंत्री और particularly हैल्थ सेक्रेटरी immediately वहां स्टाफ प्रोवाइड करें ताकि जो लोगों को दिक्कतें शुरू हो गई है उन दिक्कतों को दूर किया जा सके और समुथली हॉस्पिटल रन कर सके और लोगों को timely treatment मिल सके। क्योंकि ये सर जान–माल का सवाल है। लोगों के जीवन का सवाल है। अगर स्टाफ ही नहीं होगा तो हॉस्पिटल कैसे काम करेगा। तो मेरी आपके माध्यम से यही रिक्वैस्ट है कि इसपर जरूर कुछ ना कुछ जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए, थैंक्यू वैरी मच सर।

माननीय अध्यक्षः रामवीर सिंह बिधूड़ी जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अरविंद केजरीवाल की सरकार का ध्यान गांवों में भेजे जा रहे हाउस टैक्स के नोटिसिज़ की ओर दिलाना चाहता हूं। दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री जी ने, दिल्ली नगर निगम की माननीय मेयर साहिबा ने ये घोषणा की कि हम गांवों में हाउस टैक्स खत्म कर रहे हैं, लेकिन निरंतर गांवों में हाउस टैक्स नोटिस भेजे जा रहे हैं। हाउस टैक्स को समाप्त करने का कोई निर्णय दिल्ली नगर निगम में नहीं लिया गया। यदि घोषणा की गई थी, तो दिल्ली नगर निगम में प्रस्ताव लाकर, दिल्ली के गांवों को हाउस टैक्स से मुक्ति क्यों नहीं दी गई। आदरणीय अध्यक्ष महोदय दिल्ली में कुल 360 गांव है, गावों में नागरिक सुविधाएं नहीं है, गांवों में सीवरलाइन डली नहीं, कोई कॉलेज खुला नहीं, हॉस्पिटल नहीं है, डिस्पैंसरी नहीं है, कम्यूनिटी सैंटर नहीं है, बच्चों को खेलने के लिए पार्क नहीं है। कोई खेल का मैदान नहीं है। जब तक गांवों में नागरिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा दी जाती हैं, तो इसीलिए सरकार ने फैसला लिया, दिल्ली नगर निगम ने फैसला लिया तब तक हम गांवों के लोगों से हाउस टैक्स नहीं लेंगे। लेकिन गांवों में हाउस टैक्स नोटिस भेजे जा रहे हैं, इसको रोकने की आवश्यकता है और जो दूसरा विषय मेरा है दिल्ली नगर निगम ने गांवों के विकास के लिए कुल राशि रखी 60 करोड़ रुपया, उसको घटाकर भी बजट में साढ़े 21 करोड़ रुपया कर दिया। अब आप बताइये की दिल्ली में 360 गांव है, 360 गांवों में 21 करोड़ रुपए में क्या काम हो सकते हैं, क्या 21

करोड़ रुपए में गांवों की सड़कें बन सकती है, क्या 21 करोड़ रुपए में जो गांवों के अंदर, जो पार्क विकसित करने हैं..

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी ये तरीका ठीक नहीं है।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): या दिल्ली नगर निगम को जो।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः ना, नहीं प्लीज, प्लीज मैं रिक्वैस्ट कर रहा हूं, प्लीज।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): देखिए बात ये है कि मैं ओनरेबल आम आदमी पार्टी के एमएलए से आग्रह करूंगा, विनती करूंगा, कि देखिए।

माननीय अध्यक्षः नहीं आप पढ़िए मैंने रोक दिया उसको।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): बहुत बहुत धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी। तो मेरा ये कहना है आदरणीय अध्यक्ष जी कि 360 गांव है और उनके डेवलपमेंट के लिए, उनके विकास के लिए धनराशि पहले रखी गई 60 करोड़ रुपया उसको घटाकर साढ़े 21 करोड़ रुपया कर दिया। तो मैं पूछना चाहता हूं आपके माध्यम से ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर से और ऑनरेवल कन्सर्नड मिनिस्टर से क्या साढ़े 21 करोड़ रुपए में दिल्ली देहात के 360 गांवों में क्या विकास के कार्य करना सम्भव है? इसलिए मैं आपके माध्यम से ये

मांग करना चाहता हूं कि इस राशि को बढ़ाया जाए और जो सरकार की कमिटमेंट है, दिल्ली के ऑनरेवल चीफ मिनिस्टर की कमिटमेंट है और दिल्ली नगर निगम की मेयर साहिबा की कमिटमेंट है और उसका स्वागत हमारे दिल्ली देहात के लोगों ने किया। हाउस टैक्स गांवों को माफ करना चाहिए और मैं आज इस सदन में कह रहा हूं, जब तक गांवों में सभी नागरिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा दी जाएंगी, चाहे वो स्कूल हो, हॉस्पिटल हो, कॉलेज हो, सीवर लाइन हो, बारात घर हो, बच्चों के लिए खेल का मैदान हो, पार्क हो। मैं आज इस हाउस के अंदर कह रहा हूं कि दिल्ली देहात का एक भी व्यक्ति दिल्ली नगर निगम को हाउस टैक्स के लिए एक पैसा नहीं देगा और यदि हाउस टैक्स के जो नोटिसिज भेजे जा रहे हैं, ऐसे नोटिसिज को हम फाड़कर फेंक देंगे, क्योंकि दिल्ली सरकार ने और दिल्ली नगर निगम की मेयर साहिबा ने पब्लिकली ये घोषणा की है कि हमने हाउस टैक्स समाप्त कर दिया है। तो इसलिए हमको ये स्वीकार नहीं है। आपने मुझे समय दिया है, बहुत-बहुत धन्यवाद। एक बार फिर मैं अरविंद केजरीवाल जी सरकार से विनती करता हूं, आग्रह करता हूं कि विकास के लिए धनराशि बढ़ाई जाए और गांवों का हाउस टैक्स समाप्त किया जाए, यही मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करनाा चाहता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री सही राम जी।

श्री सही रामः माननीय अध्यक्ष महोदय आपने मुझे मेरे क्षेत्र में दमकल केंद्र को लेकर बोलने का मौका दिया जिसके लिए मैं आपका

धन्यवाद करता हूं। माननीय सभापति महोदय मैं आपका ध्यान अपनी विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दमकल केंद्र की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। क्योंकि यह दमकल केंद्र वर्षों से पोटा केबिन में चल रहा है। जो आज बहुत जी जर्जर हालत में है, जिसके लिए मैंने अनेकों बार पत्र भी लिख चुका हूं, लेकिन अभी तक इसको बनाने को लेकर कोई भी कार्य शुरू नहीं हुआ जिसके कारण जो जवान वहां ड्यूटी पर रहते हैं, गर्मी हो, बारिश के मौसम में जर्जर पोटा केबिन दमकल केंद्र के कष्टदायी जीवन जीने को मजबूर हैं। इसको बनाने के लिए फंड भी आवंटित हो चुका है। अतः महोदय मेरा आपसे आग्रह है कि इसे संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर तत्काल प्रभाव से इसका निर्माण कार्य शुरू करवाने की कृपा करें जिससे दमकल केंद्र में कार्यरत सिपाही, कर्मी बारिश के मौसम में भी बिना किसी बाधा के अपनी ड्यूटी समय अनुसार कर सकें, धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः शिवचरण गोयल जी।

श्री शिवचरण गोयलः अध्यक्ष जी धन्यवाद आपने मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी पहले तो मैं धन्यवाद करना चाहूंगा अपने माननीय मुख्यमंत्री जी का मेरे विधान सभा में 11 दिल्ली के सर्वोदय स्कूल हैं और हमारी सरकार आने से पहले उसमें काफी स्कूल टीन के शैड के बने हुए थे, अब ज्यादातर सारे स्कूल्स मल्टीस्टोरी बिल्डिंग बन चुकी हैं, सारे व्यवस्थित हैं, हर स्कूल में ऑडिटोरियम की तरह हॉल्स हैं, टैनिस के ग्राउंड बने हुए हैं, एथलिटस सैंटर बने हुए हैं। तो पूरी

सुविधाएं आज स्कूलों में उपलब्ध है। हमारा एक स्कूल मोतीनगर बाल विद्यालय है जिसमे एक जिम्नास्ट सैंटर बना हुआ था और ये सैंटर पूरे दिल्ली के जितने भी छात्र हैं, वो उसके अंदर अपने जिम्नास्ट को, अपने शारीरिक कौशल को वहां पर प्रदर्शित करते थे, वहां कम्पीटिशन होते थे। 2019 में उसको रेनोवेशन का प्रोग्राम दिया गया। ये बिल्डिंग जर्जर हो चुकी है इसको नया बनाया जाये, 2019 के बाद इसकी फाइल बनी एस्टिमेट बने और ये कहा गया कि ये 6 महीने में बनकर तैयार हो जायेगा। तो लगभग 2020 से इसकी फाइल चल रही है लेकिन अभी तक वो gymnastic center नहीं बना है। मैं अधिकारियों से मिलता हूं बातचीत होती है अधिकारी वही फाइल-फाइल खेल रहे हैं। तो मेरी अध्यक्ष जी आपसे विनती है, शिक्षा मंत्री से विनती है कि बच्चों को आज gymnastic center में जिससे उनके कौशल और आने वाले समय के अंदर ये एशियाड में ओलम्पिक में अपने पदक जीतकर लेकर आयें ये उनके भविष्य का सवाल किया है। तो मुझे उम्मीद है कि इसको जल्द से जल्द इस सेंटर को बनाया जायेगा, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत शुक्रिया, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री नरेश यादव जी।

श्री नरेश यादवः धन्यवाद अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे मेरे क्षेत्र की समस्या उठाने का मौका दिया। अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय डीटीसी ट्रांसपोर्ट मंत्री कैलाश गहलौत जी से रिक्वेस्ट करूंगा कि महरौली के अंदर एक बहुत पुराना बस टर्मिनल है और उस बस

टर्मिनल की बहुत बुरी हालत है। पूरा जर्जर हो रखा है, सारी सड़कें टूटी हुई हैं, फुटपाथ टूटी हुई है, चारों तरफ की बाउंडरी टूटी हुई है और वहां पर जो बिजली के पोल लगे हुये हैं वो नहीं जलते, ना उनमें लाइट्स हैं, पीने का पानी भी नहीं है, सवारियों को बहुत असुविधा होती है और बहुत ज्यादा सवारी वहां से बसें पकड़ती हैं। बसों का जो रूट्स है उसमें भी काफी कभी कोई आ रही है कभी नहीं आ रही है तो उसकी हालत बहुत ज्यादा खराब है। तो मैं आपके माध्यम से रिक्वेस्ट करूंगा कि इस पूरे बस टर्मिनल का नवीनीकरण कराया जाये, रिडव्लपमेंट कराया जाये और ये सारी सुविधायें पानी की, सड़कों की, चारों तरफ की बाउंडरी की। अध्यक्ष जी वहां पर रात के टाइम में जब लाइट्स नहीं होती तो चोरी-चकारी होती है, छीना-झपटी होती है सवारियों के साथ। तो ये सारी सुविधायें बस टर्मिनल महरौली में दी जायें। दूसरा अध्यक्ष जी महरौली के अंदर जो है ऑटो स्टैंड नहीं हैं भूलभूलैयां और बस स्टैंड के आसपास बहुत सारे ऑटोज़ वाले ऑटो खड़े करते हैं लेकिन आये दिन ट्रैफिक पुलिस वाले उनको हटा देते हैं। उनको रेगुलराइज़ करने के लिये बस स्टैंड के आसपास या भूलभूलैयां के आसपास ही एक ऑफिशियल ऑटो स्टैंड वहां पर बनाया जाना चाहिये जिससे किजो ऑटो चालक हैं उनको भी वो सुविधा मिले, सवारियों को भी वो सुविधा मिले। अध्यक्ष जी, एक मेरी पुरानी डिमांड है शायद मंत्रीजी इस बात को जानते भी है रजोकरी एक बहुत ही ऐतिहासिक गांव है, रजोकरी में आज के दिन हम लोग ट्रांसपोर्ट में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं मंत्री जी बहुत सारी 1500 से ज्यादा इलैक्ट्रिक बसिज़

ले आये हैं और दिल्ली में भी आज हमारा जो बेड़ा है वो सबसे ज्यादा है। सभी जितने भी हमारे स्टेट्स हैं उनसे ज्यादा हैं लेकिन वहां पर एक भी कोई डीटीसी की बस नहीं जाती। अध्यक्ष जी, जब हम छोटे-छोटे थे मेरा गांव कापासहेड़ा है तो कापासहेड़ा की जो बस थी वो रजोकरी होते हुये धोला कुंआ या इधर कैंट की तरफ निकलती थी जैसे 712 थी 714 थी 706, 790 थी लेकिन आज पिछले 9 साल से मैं विधायक हूं, मैं कई बार मंत्री जी से रिक्वेस्ट कर चुका हूं और मेरे बड़े अच्छे दोस्त भी हैं, पड़ोसी भी हैं वसंत कुंज में ही रहते हैं लेकिन पता नहीं मंत्री जी का ध्यान हमारी रजोकरी गांव पर नहीं जा रहा और मैं ये नहीं कह रहा हूं कि ये जान-बूझकर ऐसा कर रहे होंगे, वहां थोड़ी सी एक असुविधा है जो मंत्रीजी को भी पता है कि जो बड़ी बस है वो वहां अंदर जाने में थोड़ी दिक्कत है तो किसी भी तरह से चाहे तो थोड़ी छोटी बस लगाई जाये या ये रूट्स चलाये जायें क्योंकि जब आबादी 10 हज़ार थी तब तो बसें जाती थीं आज आबादी लगभग 75 से 1 लाख है आज बसिज़ नहीं जातीं। तो सर मैं आपके माध्यम से यही कहना चाहता हूं क्योंकि यहां पर मैंने पहले भी बताया अध्यक्ष जी कि जब हम बसिज़ की और ट्रांसपोर्ट की बात करते हैं तो रजोकरी गांव वालेये कहते हैं, जब भी मैं जाता हूं, कि आप 9 साल में बसिज़ नहीं चला पाये दिल्ली में क्योंकि गांव के लोग हैं अध्यक्ष जी, गांव के लोग तो बिल्कुल ठेठ बोलते हैं एकदम से कि भईया बस ही नहीं चली तो तुम काम क्या करोगे, हालांकि रजोकरी में बहुत काम

किये हैं, बहुत सारे ट्यूवेल लगाये हैं, बहुत सारा पानी का एक बड़ा यूजीआर बनने लगा है।

माननीय अध्यक्षः चलिये, चलिये हो गया।

श्री नरेश यादवः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने जो मुझे मेरे क्षेत्र की समस्या उठाने का मौका दिया और मैं उम्मीद करता हूं कि मंत्री जी इस पर गौर करेंगे, शुक्रिया।

माननीय अध्यक्षः माननीय मंत्री जी उत्तर दे रहे हैं, मित्रता का पता लग रहा है, मित्रता गहरी है।

माननीय परिवहन मंत्री (श्री कैलाश गहलौत): तो अध्यक्ष जी आपकी अनुमति हो तो मैं।

माननीय अध्यक्षः हां, बिल्कुल।

माननीय परिवहन मंत्रीः कि उनके मन में विधायक जी के मन में कहीं है कि उनकी बातों पर गौर नहीं किया जा रहा है, ऐसा नहीं है। जहां तक बात, तीन इश्यूज़ उन्होंने उठाये एक टर्मिनल का दूसरा ऑटो स्टैंड का और तीसरा बसों का रजोकरी गांव के बारे में। महरौली टर्मिनल दिल्ली में जितने भी busy terminal हैं उसको बकायदा बहुत अच्छे तरीके से उनका सारा रिडव्लपमेंट का प्लैन पूरा हो चुका है। मैं सदन को ये भी बताना चाहूंगा कि दो टर्मिनल पर ऑलरेडी टेंडर फाइनल हो चुके हैं आज़ादपुर और नज़फगढ़। महरौली टर्मिनल पर सारा काम करने के बाद एएसआई ने ऑब्जेक्शन लिया कि चूंकि यहां

मोनूमेंट्स हैं तो इसलिये वहां पर काम करने की परमीशन नहीं दी जा सकती। उसकी वजह से कोई भी वहां डेव्लपमेंट वर्क ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट नहीं कर पा रहा है। सिमीलर्ली नरेला का सारा काम करने के बाद पता चला कि उसकी जो लैंड है वो उस पौंड और जौहड़ का इश्यू है उसमें तो रेवेन्यु डिपार्टमेंट ने परमीशन नहीं दिया है, तो ऐसा विधायक जी को बिल्कुल नहीं लगना चाहिये। मैं खुद पर्सनली डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ जाकर पूरे टर्मिनल का इन्स्पैक्शन करके आया लेकिन उस कारण से क्योंकि एएसआई परमीशन नहीं दे रहा है हालांकि पिछली बार काम जो हुआ वो कैसे हुआ उसका तो मैं कुछ नहीं कहूंगा लेकिन उसका बहुत बढ़िया प्लैन हमने बनाकर किया था, लेकिन उस कारण से नहीं दे रहे। जहां तक उन्होंने कहा ऑटो स्टैंड के बारे में उसको दोबारा एग्ज़ेमिन कराकर जो भी उस पर उचित कार्यवाही करने की जरूरत पड़ेगी वो करेंगे। रजोकरी गांव भी, हो सकता है विधायक जी को ना पता हो लेकिन खुद किसी और अन्य प्रोग्राम में मेरा जाना हुआ तो वहां पर जो हमारी बड़ी बस है 12 मीटर की बस वहां जाने की उसको रास्ता ही नहीं है वो विधायक जी खुद कह रहे हैं कि अब आबादी बहुत बढ़ गई अब आबादी बढ़ने के साथ-साथ हमारे यहां ये सिर्फ उस गांव की प्रॉब्लम नहीं है, अनेक इतनी जगह हैं जहां पर इन्क्रोचमेंट होने के बाद और बवदहमेजपवद होने के बादबड़ी बस जो है वो नहीं जा पा रही है लेकिन मैंने इस सदन को पहले भी सूचित किया था कि मोहल्ला बस स्कीम जो है जो माननीय श्री अरविंद केजरीवाल जी का एक विज़न है छोटी बसें जो भी अनॉथराइज़ कॉलोनिज़

हैं या जहां भी हमारी बड़ी बसें नहीं जा पा रही हैं उसके रूट्स हम लगातार उस पर काम कर रहे हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि आने वाले, हो सकता है इस महीने के एंड में या आने वाले महीने में चूंकि पहली बार ऐसा हो रहा है कि 9 मीटर की छोटी बसें दिल्ली सरकार ने आर्डर प्लेस किया है। तो उसको बनाने की manufacturer से लेकर उसका type approval लाने तक और फिर उसके road worthiness certificate और फिर डिपार्टमेंट की जो प्रोसेस हैं उसमें थोड़ा सा समय लग रहा है। मुझे उम्मीद थी की ये पिछले दो-तीन महीने पहले ही ये बसों की डिलीवरी हमारे पास आ जाती लेकिन लगातार जो manufacturers हैं उनसे मीटिंग हम कर रहे हैं कि पूरी उम्मीद है कि आने वाले कुछ समय में ये छोटी बसें आयेंगी मोहल्ला बस जो हैं और उसके बाद फिर कुछ बसें रजोकरी गांव में भी दी जायेंगी, छोटी बस।

माननीय अध्यक्षः नहीं अब नहीं supplementary इसमें नहीं होता।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः इसमें supplementary नहीं होता।

श्री नरेश यादवः सिर्फ मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं थैंक्यू वेरी मच।

माननीय अध्यक्षः कभी मंत्रीजी को बुलाकर चाय-वाय पिलाओ, रजोकरी में गये थे तो आपको पता ही नहीं लगा।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः चलिये। सुरेन्द्र कमार जी।

श्री सुरेंद्र कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, आपने 280 एक महत्वपूर्ण विषय पर आपने सहयोग देने का काम किया, आपके आदेश के अनुसार। माननीय अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा में एक हर्ष विहार वार्ड है, जिस वार्ड में केवल साढ़े छः सौ गज में एक स्कूल चलता है और स्कूल की भी इसकी दशा ग्रस्त हो चुकी है। तो आपसे मैं कहना चाहता हूं कि इस स्कूल में करीब 3600 बच्चे है। 16 कमरे हैं इसमें, अब 16 कमरों में 3600 बच्चे कहां पढ़ पाते हैं। जब बच्चे रेगूलर आना शुरू हो जाते हैं तो तीसरे दिन बच्चों को आने का मौका मिलता है। मेरी विधान सभा में करीब पांच सौ गज जगह है जिसको तीन साल पहले शिक्षा निदेशालय को ट्रांसफर कर दिया गया था। वह इसमें स्कीम भी बनाई गई थी। लेकिन अब तक ना तो वह स्कूल बना है और ना ही ये स्कूल की दोबारा बनाने की योजना थी कि इसको चार मंजिल बनाकर इस स्कूल को दोबारा नया नवीकरण किया जाए। क्योंकि दिल्ली का शिक्षा मॉडल प्रदेश में नहीं देश में पूरे दुनिया में शिक्षा मॉडल का डंका बजता है। उसके लिए दिल्ली सरकार का धन्यवाद। आदरणीय अपने मनीष सिसोदिया, आदरणीय सीएम साहब का धन्यवाद देता हूं। थोडी सी नजर मेरी विधान सभा पर डाली जाए तो निश्चित तौर से मेरे यहां एक दिक्कत है कि एक यूपी के बच्चे भी बार्डर लगा हुआ है। लोग वहां पर आधार कार्ड बनवा लेते हैं। आधार कार्ड बनाने के आधार पर वो यहां पर एडमिशन भी लेते हैं। क्योंकि 30 परसेंट बच्चे कम से कम यूपी के बच्चे, उत्तर प्रदेश के बच्चे दिल्ली के शिक्षा

मॉडल को देखकर वो दिल्ली में पढ़ने आते हैं, बार्डर होने के नाते। तो माननीय अध्यक्ष जी मैं आपसे निवेदन प्रार्थना करना चाहता हूं व शिक्षा मंत्री को भी आप एक आदेश करेंगे कि ये जो दयनीय स्थिति है और इस वार्ड की संख्या करीब एक लाख है और एक लाख में केवल एक स्कूल है केवल। जो भी सात सौ आठ सौ गज का बना हुआ है। उसमें 16 कमरे हैं। तो दयनीय स्थिति को देखते हुए सरकार आदेश करें, आप आदेश करें कि वहां पर जो नया जिस स्कूल को तोड़कर बिल्डिंग बनना था और एक नया स्कूल बनना था उसको बनाने की कृपा करें। धन्यवाद। आपने बोलने का आदेश किया उसके लिए शुक्रिया अदा करता हूं।

माननीय अध्यक्षः अखिलेशपति त्रिपाठी जी (अनुपस्थित)। विशेष रवि जी।

श्री विशेष रविः धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी दो दिन बाद 24 फरवरी को संत गुरू रविदास जी की जयंती है और आज जो मैं बोलने के लिए उठा हूं वो उनकी जयंती पर बधाई देनी थी सदन को और साथ-साथ जो दिल्ली में तुगलकाबाद से उनका मंदिर था। उस मंदिर को जो तोडा गया था उसका भी मुद्दा मैं उठाने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष जी संत गुरू रविदास जी वो 15वीं शताब्दी के अंदर जो है वो महान संत कवि रहे और कबीर दास जी के साथ उनके साध संगत थी। मीरा बाई जी उनकी शिष्य थी और उनका ये ही कहना था जात-पात का उन्होंने घोर खंडन किया और सबको समाज को

जो है आत्म ज्ञान के लिए शिक्षा दी। एक उनका दोहा है जो मैं पढ़कर जो है अपनी बात आगे बढ़ाऊंगा। उन्होंने कहा कि ऊँच-नीच के भेद को, ऊँच-नीच के भेद की, जन्म नहीं पहचान, ऊँच उसी को मानिये, कर्म जिसके महान। तो ऐसे सुन्दर जो है उनकी शिक्षा थी। सबसे पहले मैं यहां सदन को जो दिन बाद उनकी जयंती है, 697वीं जो जयंती है उसकी बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं और साथ-साथ अपनी पीड़ा जो है समाज की पीड़ा भी यहां सदन में रखना चाहूंगा। 10 अगस्त, 2019 को तुगलकाबाद स्थिति में गुरू रविदास जी का मंदिर को डीडीए ने तोड़ा। रातों-रात वहां पफोर्स पहुंच गई और सुबह-सुबह तड़के जो है इतनी पुलिस फोर्स वहां जमा थी कि इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते औरै सिर्फ कुछ घंटों के अंदर उस पूरे मंदिर को तोड़ दिया गया। इस सदन के अंदर भी यह बात आई थी। पूरा समाज उस घटना के बाद इकट्ठा हुआ था। दिल्ली के अंदर एक बहुत प्रचंड प्रदर्शन हुआ था और उस प्रदर्शन के बाद केन्द्र सरकार ने ये कहा सुप्रीम कोर्ट के अंदर कि हमसे गलती हुई और इस मंदिर को जो है पुर्नस्थापित करके देंगे। उसके बाद एक कमेटी बनाई गई। कमेटियों की मिटिंग चलती रही, चलती रही और आज 2019 से अब जो है हम 2024 में खड़े हैं, पांच वर्ष निकल गए है। पांच वर्ष निकल गए है लेकिन केन्द्र सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं। जब अभी हाल ही में अयोध्या के अंदर भगवान श्री राम जी का मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो समाज जो है बहुत खुश था। बहुत उत्साहित था। हम सबने पूरे समाज बढ़-चढ़कर जो है उस कार्यक्रम में जो शिरकत करी। अपना-अपना सब जगह लोगों ने

अपनी-अपनी जगह पर कार्यक्रम करे और हमें उम्मीद थी कि शायद अयोध्या के बाद जो है वो हमारे गुरू जी का भी जो है मंदिर का नम्बर आयेगा। शायद केन्द्र सरकार का ध्यान जो है हमारे गुरू रविदास जी के मंदिर की तरफ भी जायेगा। लेकिन बडी ही निराशा के साथ मुझे कहना पड़ रहा है कि उसके बाद भी जो है कुछ नहीं हुआ है और अभी तक भी जो है कुछ नहीं हुआ है। मैं यहां सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार को ये कहना चाहता हूं कि वो ऐसा ना समझे कि समाज कमजोर है या समाज भूल गया है कि उन्होंने क्या किया है समाज के गुरू के साथ। ये भी मैं कहना चाहता हूं कि समाज इतना कमजोर नहीं है कि वो जो है अपने गुरू का जो है अपने गुरू जी का मंदिर दोबारा नहीं बना पायेगा। हमारे समाज के बड़े बुजुर्ग जो है इस मंदिर को बनाने के लिए लगे हुए हैं और मुझे विश्वास है, मुझे विश्वास है कि समाज जो है फिर से जो है बहुत जल्दी इकट्ठा होकर अपने हमारे गुरू श्री रविदास जी के मंदिर को पुर्नस्थापित करके रहेगा। बहुत-बहुत शुक्रिया। आपने मुझे इस मौके पर बोलने का अवसर दिया। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री मदन लाल जी।

श्री सुरेन्द्र कुमारः आदरणीय अध्यक्ष जी इसमें एक थोड़ी बात रखना चाहता हूं। मैं सदन के माध्यम से और आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि रविदास को मानने वाले देश में कम से कम 25 करोड़ लोग हैं। उसके साथ-साथ और पूरे देश में सब लोग उनकी वाणी को

पसन्द करते हैं। मैं ये ही निवेदन करना चाहता हूं कि जब रविदास जयंती हो तो एक छुट्टी रविदास जयंती के नाम पर भी दी जाए। क्योंकि मुझे लगता है कि सभी समाज के संतों के करीबन सभी की छुट्टी होती है। तो एक रविदास जयंती के नाम से एक छुट्टी का प्रावधान आप रखा जाये। सदन के माध्यम से मैं अपनी बात रखना चाहता हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान मदन लाल जी।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः भई अजय जी ना तो आपने ना तो इजाजत.. नहीं एक सैकेंड। ना तो आप बोलने की इजाजत लेते हैं। ये सदन है कोई सब्जी मंडी तो नहीं है, या तो इजाजत लो।

....व्यवधान....

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी हाथ जोड़कर परमिशन मांग रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः बोलिये।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी देखिये, जब तुगलकाबाद मंदिर का गुरू रविदास जी का मंदिर तोड़ा गया उसके पीछे एक बहुत बड़ी साजिश थी और उस साजिश में ये खुलासा हुआ कि उसके पीछे बीजेपी की साजिश के तहत ये मंदिर तोड़ा गया। उस पर पूरे देश का दलित समाज सिर्फ रविदासी, भाई चारा नहीं, पूरा देश का दलित समाज और हम लोगों ने मैने तो विधान सभा में इसके रोष में अपने कपड़े

तक फाड़ लिये। पूरा बहुत बड़ा मूवमेंट चला। क्योंकि ये हमारी दलितों की आस्था का विषय था और उस समय केन्द्र सरकार ने वादा किया था कि तुगलकाबाद मंदिर को बनायेंगे। कमेटी भी बनाई उसमें बहुत सारे बीजेपी के सांसद भी थे लेकिन किसी ने कोई काम नहीं किया और अरविंद केजरीवाल जी ने इसी सदन के सामने कहा था कि उस मंदिर की जमीन आप रविदास जियों को दे दीजिए, मंदिर के लिए दे दीजिए हम अपनी तरफ से उसकी दस गुणा जमीन देंगे लेकिन उन्होंने एक इंच भी जमीन नहीं दी और मंदिर वैसे ही पड़ा है। पूरा दलित समाज बहुत आहत है कि आप ऐसे हमारे मंदिरों को तोड़ रहे हैं और अभी कल परसों हमारे।

माननीय अध्यक्षः अब नहीं प्लीज।

श्री अजय दत्तः हमारे भाई सोमनाथ जी ने बताया कि एक और दलित मंदिर तोड़ा गया भगवान वाल्मीकि जी का तो इस देश के अंदर जो दलितों को कुचलने का प्रयास बीजेपी कर रही है।

माननीय अध्यक्षः प्लीज इस पर और चर्चा नहीं।

श्री अजय दत्तः वो बहुत ही निंदनीय, बहुत ही शर्मनाक।

माननीय अध्यक्षः ये 280 है कोई चर्चा का विषय थोड़े ही है।

श्री अजय दत्तः है और हम दुखी हैं।

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी नहीं प्लीज।

श्री अजय दत्तः और।

माननीय अध्यक्षः ये 280 है। मैं इस पर चर्चा एलाउ नहीं कर रहा।

श्री अजय दत्तः हमारे संतों को।

माननीय अध्यक्षः बैठिए, अजय दत्त जी, अजय दत्त जी हो गया अब। बैठिए।

श्री अजय दत्तः हमारे संतों के लिए जो ये कर रहे हैं जो काम कर रहे हैं वो गलत है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः नहीं बिधूड़ी जी आप।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई कुलदीप जी मैं एलाउ नहीं कर रहा प्लीज।

श्री राजेश गुप्ताः सर 280 में हमारे...

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): आदरणीय अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः आप लेट आए हैं राजेश जी बहुत, नहीं दो मिनट रूकिए।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इस मंदिर की नींव क्योंकि मेरे गांव की जमीन पर

स्थित है। इस मंदिर की नींव देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री परमश्रद्धेय बाबू जगजीवन राम जी ने 1959 में रखी।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः अरे भई जब अजय उनको बोलने दो अजय दत्त जी क्या दिक्कत है। नहीं क्या मतलब है।

....व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः वो बाबू जगजीवन राम जी का नाम ले रहे हैं। बाबू जगजीवन राम जी का नाम ले रहे हैं। सुन लो पहले ध्यान से।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः देखिए बाबूजी ने, मंदिर 500 साल से है उसको जो रेनोवेट किया वो बाबूजी के कर कमलों द्वारा हुआ।

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः देखिए आप अपनी बात कहने के लिए स्वतंत्र हैं, वो, आप मेरे साथ चलिए मैं आपको, अभी वहां पत्थर लगा हुआ है।

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अध्यक्ष जी, देखिए हाउस के सामने हम सभी को सच्चाई बोलनी चाहिए। कांग्रेस के शासन में जब केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी इस मंदिर की जमीन को फोरेस्ट लैंड डिक्लेयर कर दिया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में गया। पहले हाईकोर्ट में गया,

बाबू रतन सिंह जी जो इस कमेटी के अध्यक्ष थे किन्हीं कारणों से हाईकोर्ट में ठीक से पक्ष रखा नहीं गया। सुप्रीम कोर्ट में गया और सुप्रीम कोर्ट की डायरेक्शन पर मंदिर को वहां से हटाया गया। आदरणीय अध्यक्ष जी उसके बाद धरना हुआ, प्रदर्शन हुआ और केन्द्र सरकार ने मंदिर के लिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई सोमनाथ जी मैं ऐसे नहीं, नहीं ये सदन.. अगर इसमें चर्चा करवानी है तो समय पर आप नोटिस दीजिए। मैं चर्चा करवा दूंगा। चर्चा करवा लीजिए इस पर। ये कोई तरीका नहीं है, सदन ऐसे नहीं चलेगा, नहीं सदन ऐसे नहीं चल सकता।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः प्लीज।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अनुमति लेकर मंदिर बनाने के लिए जमीन उपलब्ध करा दी है वहां शानदार मंदिर बनना चाहिए। मैं इसका समर्थन करता हूं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः चलिए, श्री मदनलाल जी। विषय खत्म हो गया। बैठिए। श्री मदन लाल जी।

श्री मदन लाल: धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मंदिर बनने की बात थी बीजेपी ने भी मान लिया बनना चाहिए तो हम इनसे निवेदन कर रहे हैं जितनी जल्दी बन जाए उतना जल्दी अच्छा है। अध्यक्ष महोदय,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: चलिए, आप चलिए मदन लाल जी चलिए।

श्री मदन लाल: अध्यक्ष महोदय, सर बीआरटी कोरीडोर जब हम आश्रम से महरौली बदरपुर रोड़ की ओर जाते हैं तो राइट साइड में पहले पुलिस स्टेशन है उसके बाद ऐंड्रयूज गंज, सादिक नगर, सांवल नगर और इंडियन स्कूल है। ये बहुत चौड़ा रोड़ है, पहले बहुत ज्यादा कंजेशन होती थी बीआरटी कोरीडोर बना, बीचोंबीच में दीवार उंची कर दी गई तो ऐंड्रयूज गंज, सादिक नगर और सांवल नगर की तरफ रहने वाले जितने लोग हैं उनको अगर दूसरी तरफ का रोड़ पार करना हो तो या तो उन्हें डिफेंस कालोनी के रिंग रोड़ तक आना पड़ेगा या उनको फिर बहुत दूर आगे तो ये पूरा का पूरा स्ट्रैच लगभग एक किलोमीटर का है। वहां स्कूल भी है सरकारी अधिकारियों के मकान हैं प्राइवेट कालोनी है सांवल नगर। लाखों की संख्या में लोग एक दूसरी तरफ रोड़ को पार करते हैं। हमारी बहुत लंबे समय से मांग है कि वहां एक फुटओवर ब्रिज बनाया जाए। फुटओवर ब्रिज की मांग को लेकर हमने कई बार अधिकारियों से बातचीत की और इसी संदर्भ में कई बार बात करने के बाद अध्यक्ष महोदय 15.06.2022 को एक चिटठी लिखी, अधिकारियों से मिले फिर 1 फरवरी, 2023 को एक चिट्ठी लिख के

उनसे मुलाकात की, सर्वे कराया और लगातार प्रत्यनशील रहे कि किसी तरह वहां एक फुटओवर ब्रिज बन जाए जिससे लोगों को एक दूसरी तरफ खास कर बच्चों को क्योंकि सांवल नगर, सादिक नगर और ऐंड्रयूज गंज की तरफ रहने वाले हजारों बच्चे सड़क के दूसरी ओर के सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं जो सरकारी स्कूल भी हैं, प्राइवेट स्कूल भी हैं सैन्टर स्कूल भी हैं और बच्चों को सबसे ज्यादा मुसीबत का सामना करना पड़ता है कि उन्हें हमेशा डर लगा रहता है। मैं कल माननीय पीडब्लयूडी मिनिस्टर आतिशी जी से भी मिला हूं मुझे मैं उनका धन्यवाद भी करता हूं कि कल उन्होंने बड़े धैर्यपूर्व ना केवल मेरी बात सुनी बल्कि मुझे आश्वस्त भी किया कि वो भी इसकी जरूरत समझती हैं क्योंकि दिल्ली में रहती हैं, दिल्ली में आती जाती हैं उनको पता है पूरे दिल्ली की और खास कर इस एरिया की और उन्होंने ये माना भी कि यहां बहुत ज्यादा जरूरत है। बहुत ज्यादा लोग यहां उस कोरीडोर की बनावट की वजह से बहुत ज्यादा परेशान है क्योंकि एक दूसरी तरफ का रोड़ पार कर नहीं पा रहे हैं तो मैं माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करते हुए कि उन्होंने मुझे आश्वस्त किया है कि वो अफसरों से बात करके मीटिंग बुला के इस बारे में आवश्यक कार्यवाही कर एन्श्योर करेंगी कि ऐसी जगह एक पुल जरूर बनना चाहिए। तो मुझे बहुत ज्यादा इसके लिए चिंता भी थी इसलिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझ इस पर बोलने का मौका दिया और मंत्री जी का और मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उनके मंत्री दिल्ली के लोगों की भलाई के लिए कार्यरत हैं। हमेशा कंसर्न रहते हैं और जब

भी कभी कोई ऐसी बात बताई जाती है तो उसके लिए वो तत्परता से काम करने को तैयार हो जाते हैं। मैं आपका धन्यवाद करता हूं और आतिशी जी का भी एक बार फिर से धन्यवाद करता हूं की उन्होंने इसको सहानुभूति पूर्वक यहां फुटओवर ब्रिज बनवाने की बात प्रिंसीपली मान ली है। अधिकारियों से बात करेंगे। मुझे उम्मीद है ये पुल वहां जरूर बनेगा। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः धन्यवाद अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी मैं आपको माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल जी का और मंत्री गोपाल राय जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं क्योंकि जो मेरी विधानसभा है वजीरपुर वो जानी जाती है वजीरपुर गांव के नाम से, पिछले नौ साल से मैं ही वहां पर विधायक हूं और उससे एक दो साल पहले से मैं उस विधानसभा को देखता रहा हूं। आम आदमी पार्टी की तरफ से मुझे नहीं लगता वहां पर किसी ने दो गलियां बनाने की भी कोशिश करी लेकिन गोपाल राय जी का बहुत बहुत बहुत बहुत धन्यवाद जो उन्होंने एक ही बार में पूरे वजीरपुर गांव की सारी गलियों को बनाने का फंड पास करा। दिल्ली देहात की बात सभी करते हैं लेकिन शायद ही दिल्ली के अदंर कोई ऐसी विधानसभा हो जहां पर कोई गांव ना हो चाहे आप उसे एक अरबन विलेज कह सकते हैं लेकिन जैसे मेरे भाई दुर्गेश पाठक जी बैठे हैं। उनके साथ चुनाव प्रचार में वहां था तो राजेंद्र नगर तो बहुत ही पॉश कॉलोनी मानी जाती है, है भी, लेकिन उसी के अंदर तीन-तीन गांव भी हैं। तो शायद ही

दिल्ली के अंदर कोई ऐसी विधान सभा हो और मुझे लगता है कि आम आदमी पार्टी ने, माननीय मुख्यमंत्री- अरविंद केजरीवाल ने बहुत ज्यादा फोकस इस बात पर करा है कि कोई न बचे, तो कच्ची कॉलोनियों पर भी ध्यान था, शहरी इलाकों पर भी ध्यान था और गांवों पर जो उन्होंने ध्यान दिया है, मैं उसका जितना धन्यवाद करूं वो कम है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं इसके साथ में जो आगे बात जोड़ना चाहता हूं कि फंड की कोई कमी कभी रही नहीं है, दिल्ली सरकार ने बहुत सारा बजट दिया है। अभी भी आप देखियेगा इस बार भी बजट बढ़कर ही आयेगा। लेकिन जिनको हम पैसा देते हैं, क्योंकि मैं एक, अर्बन विधान सभा ज्यादातर है मेरे इलाके में, तो हमारा ज्यादातर पैसा एमसीडी में जाता है। अभी नई-नई हमारी इसमें सरकार बनी है, पहले तो भाजपा की ही थी और लोगों ने क्यों हराया, इसीलिए हमारी सरकार बनाई कि उन्होंने तो कुछ करा नहीं। एक बहुत बड़ी दिक्कत है, कहते हैं जी जब हम पैसा, एस्टिमेट बनवाते है और वहां से जब हम फाइनल, आखिरी जो उनको पेमेंट हो जाती है उसके बीच में कोई खास समन्वय नहीं है। आप एक व्यापारी वर्ग से आते हैं, आप इस बात को समझ सकते हैं कि कोई अगर हमें काम दे, कोई किसी चीज की पेमेंट करे, हम उसका कितना सम्मान करते हैं, कितनी इज्जत देते हैं, लेकिन एक विधायक जो फंड दे रहा है, एमएलए फंड से दे रहा है, मुख्यमंत्री सड़क योजना से दे रहा है, उसके साथ में जो एजेंसिस हैं ऐसा व्यवहार करती है, ढंग से बात नहीं होती, एस्टीमेट बनाने में टाइम

लगा देंगे, बनेगा तो कोई ऑब्जेक्शन यूडी से लग जायेगा, एक समन्वय की बात है, सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं है इसमें, लेकिन समन्वय बैठाने के लिए कोई न कोई व्यवस्था होनी चाहिए। तो मैं आपको एक बात और कहना चाहता हूं क्योंकि यहां पर 3-3 आपके पास में फाइनेंशियल कमेटिस हैं, एक एस्टीमेट कमेटी भी है जिसको मैं ही चेयर कर रहा हूं काफी टाइम से, आपकी तरफ से ये जाए, क्योंकि हम बार-बार मीटिंग बुलायेंगे तो हम बार-बार आपको कहेंगे। तो उनकी तरफ से ये हो कि उसका एक time-bound तरीके से वो काम हो कि कितने दिन में वो एस्टीमेट बनायेंगे, कितने दिन में वो काम होगा और ये सारी की सारी चीजें निकलकर आये कि जो पैसा देता है, जो उनसे काम करवा रहा है, हम जनता के लिए करा रहे हैं, तो उसका सम्मान जरूर करा जाए, ये जनता का पैसा है उसका सम्मान जरूर होना चाहिए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः भावना गौड़ जी, (अनुपस्थित)। श्री जय भगवान जी, (अनुपस्थित)। जय भगवान जी नहीं हैं। जरनैल सिंह जी, (अनुपस्थित)। श्री राजेंद्रपाल गौतम जी।

श्री राजेंद्रपाल गौतमः बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी, लिस्ट में न होते हुए भी आपने जो बाकी लोग रह गये उनको भी मौका दे रहे हैं। मैं आपका ध्यान या ये कहूं कि आपके माध्यम से दिल्ली के उप-राज्यपाल महोदय का ध्यान न केवल अपनी विधान सभा की तरफ ले जाना चाहता हूं चूंकि ये जो मुद्दा मैं उठाने वाला हूं, ये मुद्दा केवल मेरी विधान सभा का नहीं है, मैं पूरे दिल्ली के अंदर सब

जगह जाता हूं और सब जगह लगभग इस तरह की स्थिति बनती जा रही है। एक समय था हम लोग पंजाब के बारे में चर्चा किया करते थे कि पूरे पंजाब के अंदर नशे का व्यापार बढ़ता जा रहा है, युवाओं की जिंदगी बर्बाद हो रही है। आज वहां हमारी सरकार बनी तो लगातार नशे पर नकेल कसी जा रही है और नशे का कारोबार खत्म हुआ है, लोग जेलों में गये हैं। अनॅफार्चूनेट्ली दिल्ली के अंदर जितने भी रिसेटलमेंट कॉलोनी हैं उन सब जगह पर अवैध रूप से चरस, गांजा, स्मैक, हीरोइन आदि-आदि तमाम तरह के नशे खुलेआम बिक रहे हैं और ये मुद्दा पहले भी सदन में मैं उठा चुका हुं और उठाने के साथ-साथ मैंने पुलिस कमिश्नर को भी चिट्ठी लिखी, दिल्ली के उप-राज्यपाल महोदय को भी चिट्ठी लिखी, अनिल बैजल साहब से टाइम लिया, उनसे पर्सनली जाकर मिला। इससे ज्यादा दुःख की बात नहीं हो सकती, किन-किन घरों में नशा बिक रहा है, उनके एड्रेस तक मैंने डीसीपी महोदय को, दो डीसीपी का एरिया लगता है, उनको एड्रेस तक अवेलेबल कराये। अनॅफार्चूनेट्ली एक सप्ताह, 10 दिन तक वहां कुछ कार्रवाई नजर आई लेकिन आज स्थिति इतनी ज्यादा बदतर हो गई है, इतनी ज्यादा बदतर हो गई है कि युवा बर्बाद हो रहे हैं और कम से कम 50 जवान लड़कों की अब तक डेथ हो चुकी हैं नशे की वजह से, केवल मेरी विधान सभा में। अगर पूरे दिल्ली की देखेंगे तो हजारों जवान-जवान बच्चे नशे की वजह से मर चुके हैं। और पुलिस, मैं दुःख के साथ कहना चाहता हूं, पुलिस उन घरों में जाती है जहां नशा बिकता है, नशा बंद नहीं करवा रही बल्कि यहां तक देखने में

आया, एक बंदे ने मुझे आकर बताया जी हम क्या करें, हमने आपके, जब आपने मुद्दा उठाया, पुलिस में लिखा, हमने बंद कर दिया था काम, लेकिन पुलिस हमें अब कह रही है तुम्हें जेल में डालेंगे, नहीं तो काम करो, इससे ज्यादा शर्मनाक बात क्या होगी। मतलब वो पुलिस के अधिकारी ये भूल गये कल को उनके खुद के बच्चे अगर इस नशे का शिकार हो गये तो वो जिंदे रहेंगे या मरेंगे, उनके बच्चों के भविष्य का क्या होगा। ऐसी चीज कम से कम जिससे युवाओं की जिंदगी बर्बाद होती हो, ऐसे मामलों में भी वो रिश्वत में लगे हैं बस, किसी तरह उनके घर में रिश्वत आती रहे। माननीय अध्यक्ष जी, जैसे-जैसे आदमी की उम्र बढ़ती है उसकी खुराक कम होने लगती है।

माननीय अध्यक्षः कन्क्लूड करिये।

श्री राजेंद्रपाल गौतमः और एक समय आता है..

माननीय अध्यक्षः राजेंद्र जी, कन्क्लूड करिये।

श्री राजेंद्रपाल गौतमः बस कर रहा हूं मैं जल्दी। और एक समय आता है जब डाक्टर कहता है अब तुम मीठा बंद कर दो, देशी घी खाना बंद कर दो, तला-भुना बंद कर दो, डबल टोंड दूध पीयो। मुझे कोई आज तक दुनिया में ऐसा आदमी नहीं मिला जो पैसे जोड़कर, गठरी बांधकर मरते वक्त साथ लेकर गया हो। लेकिन ये लोग, आप ये बताइये एक तरफ वो कहते हैं कि सरकार का मतलब तो उप-राज्यपाल हैं, सारा सर्विस डिपार्टमेंट उनको दे दिया।

अब मैं उप-राज्यपाल महोदय से पूछना चाहता हूं आप दिल्ली में जगह-जगह जाकर घूम रहे हों, कभी मेरी विधान सभा भी आइये, मैं खुद आपको चलकर घूमवाऊंगा, आपको मैं लंच भी करवाऊंगा। आपका अपनी विधान सभा में घुसते ही बहुत बढ़िया स्वागत भी करवाऊंगा लेकिन आप मेरी विधान सभा आयें, मेरी विधान सभा की भी ये ही स्थिति है और दिल्ली के अलग-अलग जगह की ये स्थिति है, जगह-जगह अवैध कब्जे हो रहे हैं। और माननीय अध्यक्ष जी, आपकी और मेरी विधान सभा के बीच में जो डिवाइडर रोड़ है, डियर पार्क के पास, उस रोड को देखो और आसपास के सारे रोडों को देखो, सारे रोडों पर लगातार हॉकर्स बना दिये गये, परमानेंट स्ट्रक्चर बना दिये गये, मैं कहना चाहता हूं कि या तो, अगर आप उन्हें हटा नहीं सकते जो फुटपाथ को वो घेर लिये, ये पुलिस उसको हटाने में इंटरेस्ट नहीं लेती, उप-राज्यपाल हटाने में वो इंटरेस्ट नहीं लेते,

माननीय अध्यक्षः राजेंद्र जी, इसमें एन्क्रोच्मेंट का कोई विषय नहीं है।

श्री राजेंद्रपाल गौतमः है। मैं दिखाता हूं आपको। आप मेरा पढ़ लीजिए। आपने पढ़ा नहीं है, मैं पढ़कर..

माननीय अध्यक्षः चलिए अब कवर करिये, कवर करिये।

श्री राजेंद्रपाल गौतमः बस एक मिनट के अंदर खत्म कर रहा हूं अगर आप न टोके तो।

माननीय अध्यक्षः ठीक है, ठीक है, चलिये अब, एक।

श्री राजेंद्रपाल गौतमः तो माननीय अध्यक्ष जी, मैं ये कहना चाहता हूं अगर वो हर फुटपाथ को कब्जा करवाते जा रहे हैं, जितने पार्क हैं, डीडीए का पार्क हो, चाहे एमसीडी का पार्क हो, चाहे डूसिब का पार्क हो, सारे पार्क पर लगातार कब्जे हो रहे हैं और ऐसे राजनीतिक. चूंकि हम तो राजनीति करने नहीं राजनीति बदलने आये थे। मेरी विधान सभा में एक स्कूल थे सरकारी, स्कूल की जमीन थी 3 एकड़, प्लॉट कटकर ढाई-ढाई मंजिल मकान बन गये। लेकिन मैंने खुद खड़े होकर जो 15 साल के विधायक नहीं कर पाये, कोई नहीं हटा पाया, मुझे धमकी भी मिली होगी, रिश्वत भी ऑफर हुई होगी, मैंने खड़े होकर वो पूरे मकान, सारे अवैध जो सारा कब्जा तुड़वाया, खुद खड़े होकर और आज वहां पर डॉक्टर अंबेडकर स्पेशलाइज स्कूल बनकर तैयार है उसका उद्घाटन होने वाला है।

माननीय अध्यक्षः चलिये अब।

श्री राजेंद्रपाल गौतमः तो माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से एल.जी. साहब से निवेदन करता हूं, एक दिन दीजिये, मेरी विधान सभा में आइये, इस नशे को पूरी तरह दिल्ली में बंद करवाइये और जितने अवैध कब्जे हो रहे हैं या तो उनको तहबाजारी दे दो, कम से कम एमसीडी को इन्कम शुरू हो जाए और ऐसा नहीं कर सकते तो कम से ये अवैध कब्जे मत करवाइये और दिल्ली की सरकार का हो, चाहे डीडीए का हो, कोई भी सरकारी जो भी जमीनें खाली पड़ी हैं उनको कब्जे से मुक्त करवाइये, ये कब्जा करते-करते धीरे-धीरे स्थिति

बिगड़ती जा रही है और इसका खामियाजा जो आम लोग रहते हैं उन नागरिकों को भुगतना पड़ता है आपने मुझे बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद, शुक्रिया।

माननीय अध्यक्षः श्री कुलदीप कुमार जी।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान अपनी विधानसभा क्षेत्र कोंडली की तरफ दिलाना चाहता हूं। अभी जैसा बताया कि माननीय उप-राज्यपाल महोदय जी पूरी दिल्ली में जो दिल्ली सरकार के काम हैं चाहे वो जलबोर्ड हो, चाहे वो फ्लड के नाले हों वहां पर घूमते हैं लेकिन जो विभाग सीधे तौर पर उनके अंतर्गत आता है वो विभाग जो डीडीए है मेरी विधानसभा क्षेत्र में जब आप जाएंगे तो केरला स्कूल तक मेरे यहां फेज-3 में जो रोड है वो पीडब्लूडी के पास है और वो बहुत शानदार तरीके से बना हुआ रोड है। उसके आगे जो रोड है वो पूरा खोड़ा जो उत्तर प्रदेश है उसका और गाजीपुर पेपर मार्किट का बार्डर है बीच में और वो रोड अध्यक्ष जी पिछले 6 वर्षों से वो रोड लगातार बन रहा है। ऐसा कौन सा वो रोड हो गया कि 6 वर्षों में वो रोड नहीं बन पाया और उसकी हालत आज इतनी बद से बदतर हो चुकी है अध्यक्ष जी कि मैं बता नहीं सकता और उसी के साथ-साथ मेरा रेड फाक्स होटल से लेकर गाजीपुर पेपर मार्किट की मेन रोड तक एक रोड जाता है उस रोड की हालत वो रोड भी डीडीए के पास है उसकी हालत भी बहुत खराब हो गई है। वसुंधरा इन्कलेव में एक और रोड है जो अग्रसेन कॉलेज से लेकर हमारा स्कूल

तक आता है उसकी भी हालत बहुत खराब हो गई है। तो जितने हमारी विधानसभा क्षेत्र में डीडीए के अंतर्गत रोड हैं अध्यक्ष जी हम बहुत परेशान हैं। लगातार डीडीए के अधिकारियों से हम कई बार शिकायत कर चुके हैं, मीटिंग कर चुके हैं, डीडीए के वीसी से मिल चुके हैं लेकिन इन छोटे–छोटे रोडों की हालत इतनी खराब है कि आज विधानसभा में कोई घुसता है तो उसकी वजह से जो हमारे अंदर के रोड जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने बनवाये हैं सड़क योजना के तहत उन रोडों को भी हम उसकी वजह से पूरी विधानसभा की इमेज खराब होती है, लोगों को चलने में बहुत दिक्कत होती परेशानी होती है। अगर वो रोड आप देखेंगे जो खोड़ा वाला है वहां से तो निकलने में इतनी–इतनी कीचड़ में घुसकर लोग आज की डेट में भी निकल रहे हैं और वहां के लोग उसको उठाकर डालते हैं कि विधायक जी ये क्या हो रहा है लेकिन लोगों को मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उप–राज्यपाल महोदय से विनती करना चाहता हूं कि आप डीडीए के अधिकारियों को तुरंत प्रभाव में अध्यक्ष जी यहां से आदेश भेजें कि वो उन सड़कों को ठीक करें, उनकी मरम्मत करें और उसको बनाने का काम करें, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री महेन्द्र गोयल जी, अनुपस्थित, श्री प्रकाश जारवाल जी।

श्री प्रकाश जारवालः अध्यक्ष जी धन्यवाद, आपने मुझे 280 में देवली विधानसभा की बात रखने का मौका दिया। अध्यक्ष जी देवली विधानसभा में संगम विहार एक एरिया है जो एशिया का सबसे बड़ी अनॉथराइज कालोनी है। यहां लगभग 10 से 15 लाख लोग रहते हैं और

आप ये समझिये की तीन रोड इस एरिये को कवर करते हैं एक बांध रोड, तिगड़ी रोड, देवली रोड और यहां से बच्चों को निकलने के लिए बाहर या कालेज जो बच्चे जाते हैं स्कूल जाते हैं या जो लोग काम पर जाते हैं दिल्ली की अलग-अलग जगहों पर इस संगम विहार से निकलने के लिए बड़ी मेहनत करनी पड़ती है। अध्यक्ष जी अगर कोई इमरजेंसी सर्विसेज हो किसी को कोई तकलीफ हो जाए तो भी निकलने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है दो-दो घंटे लग जाते हैं इतना वहां पर कंजेशन है इतनी भीड़ है और रास्ते क्लीयर नहीं हैं। अध्यक्ष जी, डीडीए मास्टर प्लान 2021 में इस रोड को अर्बन एक्सटेंशन रोड से मिलाने का प्रस्ताव था और इसका सर्वे भी 2021 में डीडीए के जो वाइस चेयरमैन उनकी पूरी टीम भाजपा से जो सदस्य डीडीए के थे वो हमारे सदस्य सोमनाथ भारती जी भी आकर देखकर गये की लोगों को किस तरह से मशक्कत करनी पड़ती है और ये रोड तीन कांस्टीट्वेंसी को जोड़ता है देवली को भी संगम विहार विधानसभा के लोगों को भी, अंबेडकर विधानसभा के लोग भी यहां से सैनिक फार्म के थ्रू निकलते हैं। तो अध्यक्ष जी ये जब वो सर्वे करने आए तो यहां पर कोई ऐसी दिक्कत नहीं है इस रोड को बस क्लीयर करके आगे निकालना है और ये एनएच-8 से एनएच-2 पर मिलना है शूटिंग रेंज से देवली संगम विहार विधानसभा महरौली होते हुए निकलना है और ये प्रस्ताव भी डीडीए में पास हुआ। अब डीडीए मास्टर प्लान 2021 में थोड़े से चेंज करने के बाद ये डीडीए मास्टर प्लान 2041 हो गया मगर ये प्लान कभी पास होने के बाद भी जमीन पर लागू नहीं हो रहा अध्यक्ष जी। तो अध्यक्ष जी, मैं सदन के माध्यम से आपके माध्यम से एलजी साहब

तक ये बात पहुंचाना चाहता हूं हमारे विपक्ष के नेता भी यहां पर हैं इनके कई सदस्य भी हैं डीडीए में इनके चेयरमैन भी हैं तो अध्यक्ष जी ये रोड जल्द से जल्द बनाया जाए, बांध रोड का एक्सटेंशन किया जाए और जो लाखों लोगों को परेशानी हो रही है वो परेशानी से निजात मिले बस मैं आपका ध्यान इसी समस्या पर दिलाना चाहता था बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे 280 में बोलने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण अब उप-राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, मैं प्रार्थना कर रहा हूं अपने स्थान पर बैठें। माननीय सदस्यगण, माननीय सदस्यगण।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः ऋषि जी इधर आईये प्लीज, कुलदीप जी ये मुझसे बात करिये आप, उधर बात मत करिये।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यगणों से प्रार्थना कर रहा हूं कृपया अपनी कुर्सियों पर बैठें।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः इधर आइये, इधर आइये प्लीज।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं कृपया अपने-अपने स्थान पर बैठें।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः सदन 12 बजकर 45 मिनट तक सस्पेंड किया जाता है। सदन की कार्यवाही 12 बजकर 45 मिनट पर आरंभ होगी।

सदन पुनः 12.53 मिनट पर संवेत हुआ

माननीय अध्यक्ष (श्री रामनिवास गोयल) पीठासीन हुए।

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः मैं सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं कि अपनी बैंच पर बैठें, वैल में न आएं। अपनी बैंच पर खड़े होकर बात करें।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यों से प्रार्थना है सदन की कार्यवाही को शांतिपूर्वक चलने दें।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः सदस्यगणों से एक बार पुनः प्रार्थना है अपने स्थान पर बैठें प्लीज।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः अब सदन की कार्यवाही शुक्रवार दिनांक 23 फरवरी, 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही शुक्रवार दिनांक 23 फरवरी, 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।